भारत-नेपाल सहयोग को मज़बूत करना

प्रलिम्सि के लयि:

भारत-नेपाल संबंध, अभ्यास सूर्य करिण, भूकंप 2015, 1950 की शांति और मति्रता की भारत-नेपाल संधि, फुकोट कर्णाली जलवदि्युत परयिोजना, लोअर अरुण जलवदि्युत परयिोजना, गोरखपुर-भुटवाल ट्रांसमशिन लाइन

मेन्स के लयि:

भारत और नेपाल के बीच सहयोग के क्षेत्र, भारत-नेपाल संबंधों से संबंधति हालयिा प्रमुख मुद्दे

चर्चा में क्यों?

भारत और नेपाल ने हाल ही में नेपाल के प्रधानमंत्री की 4 दविसीय भारत यात्रा के दौरान ऊर्जा और परविहन वकिास के क्षेत्र में अपने द्वपिक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लयि **कई पहलों तथा समझौतों** का अनावरण कयिा है जसिका **उद्देश्य संबंधों को मज़बूत करना तथा क्षेत्रीय संपर्क को सुवधािजनक बनाना है।**

हाल ही में हुए समझौते की प्रमुख वशिषताएँ:

- **वदि्युत क्षेत्र में सहयोग:**
  - **दीर्घकालकि वदि्युत व्यापार समझौता:** भारत और नेपाल ने **आने वाले वर्षों में नेपाल से 10,000 मेगावाट बजिली** के आयात को लक्षति करते हुए एक दीर्घकालकि वदि्युत व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कयि।
- **हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स: फुकोट कर्णाली जलवदि्युत परयिोजना** और **लोअर अरुण जलवदि्युत परयिोजना** के वकिास के लयि **नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रकि पावर कॉरपोरेशन (NHPC), भारत तथा वदि्युत उत्पादन कंपनी लमिटिड, नेपाल** के बीच समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर कयि गए।
  - इसके अलावा दोनों प्रधानमंत्रयिों ने पंचेश्वर बहुउद्देशीय परयिोजना पर ठोस और समयबद्ध प्रगति की अपनी प्रतबिद्धता व्यक्त की जसिका उद्देश्य **महाकाली नदी के साझा जल संसाधनों के दोहन में सहयोग** बढ़ाना है।

नोट: फुकोट करणाली जलवदि्युत परयिोजना का लक्ष्य लगभग 2448 GWh के औसत वार्षकि उत्पादन के साथ **करणाली नदी के प्रवाह का उपयोग करके 480 मेगावाट बजिली** उत्पन्न करना है। इसमें एक उच्च **प्रबलति सीमेंट कंक्रीट (Reinforced Concrete Cement- RCC) बाँध और एक भूमगित पावर हाउस** शामलि है।

- **परविहन वकिास:**
  - **ट्रांसमशिन लाइन और रेल लकि: गोरखपुर-भुटवाल ट्रांसमशिन लाइन** के लयि ग्राउंडब्रेकगि सेरेमनी और **बथनाहा से नेपाल सीमा शुल्क वभिाग तक भारतीय रेलवे कार्गो ट्रेन** के उद्घाटन ने दोनों देशों के बीच संपर्क बढ़ाने पर ध्यान केंद्रति कयिा।
  - **एकीकृत चेकपोस्ट (ICP):** ICPs का उद्घाटन **नेपालगंज (नेपाल) और रूपईडीहा (भारत) में** कयिा गया, जसिसे सीमा पार व्यापार को बढ़ावा मलिा और माल और लोगों की आवाजाही सुवधािजनक हुई।
- **अन्य पहलें:**
  - **दक्षणि एशयिा की पहली क्रॉस-बॉर्डर पेट्रोलयिम पाइपलाइन जो भारत में मोतहिारी से नेपाल के अमलेखगंज तक** और 69 कमी. लंबी है, नेपाल में चतिवन तक वसि्तारति करने की योजना है।
    - साथ ही **भारत में सलिीगुड़ी से पूर्वी नेपाल में झापा तक एक दूसरी सीमा पार** पेट्रोलयिम पाइपलाइन।
  - **1 जून, 2023 को संशोधति पारगमन संधि पर हस्ताक्षर कयि गए, जो नेपाल को भारत के अंतर्देशीय जलमार्गों तक** पहुँच प्रदान करेगी।
    - **इससे नेपाल तीसरे देशों के साथ अपने व्यापार के लयि हल्दयिा, कोलकाता, पारादीप और वशिाखापत्तनम** जैसे भारतीय बंदरगाहों का उपयोग करने में सक्षम होगा।
    - यह नेपाली नर्यिातकों और आयातकों के लयि परविहन लागत एवं समय को भी कम करेगा।

    - **भारत कृषि क्षेत्र में सहयोग के महत्त्व पर** ज़ोर देते हुए एक **उर्वरक संयंत्र** स्थापित करने के लिये नेपाल के साथ भी सहयोग कर रहा है।

भारत और नेपाल के बीच सहयोग के अन्य क्षेत्र:

- **परिचय**:
    - करीबी पड़ोसियों के रूप में **भारत और नेपाल मित्रता एवं सहयोग के अनूठे संबंधों को साझा करते हैं,** जिसकी विशेषता एक खुली सीमा, दोनों देशों के लोगों के बीच रिश्तेदारी और मज़बूत सांस्कृतिक संबंध है।
        - वर्ष **1950 की शांति और मित्रता की भारत-नेपाल संधि भारत एवं नेपाल** के बीच मौजूद विशेष संबंधों का आधार है।
    - नेपाल पाँच भारतीय राज्यों- सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1850 किमी. से अधिक की सीमा साझा करता है।
        - सीमा पार लोगों की मुक्त आवाजाही की लंबी परंपरा रही है।

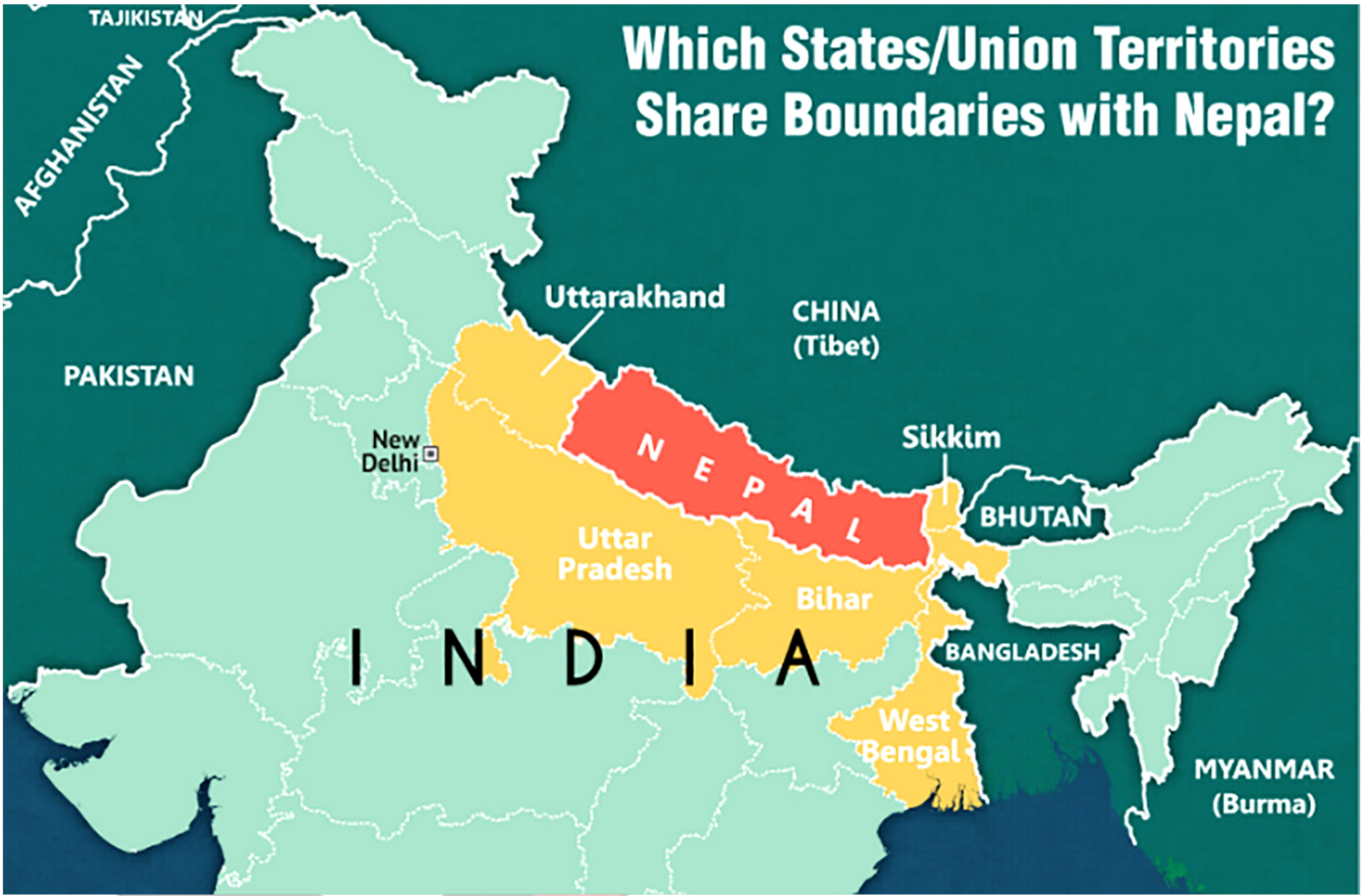

- **रक्षा सहयोग:**
    - द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में उपकरण और प्रशिक्षण के प्रावधान के माध्यम से **नेपाली सेना** को उसके आधुनिकीकरण में सहायता देना शामिल है।
    - **'भारत-नेपाल बटालियन-स्तरीय संयुक्त सैन्य अभ्यास सूर्य किरण'** भारत और नेपाल में वैकल्पिक रूप से आयोजित किया जाता है।
        - साथ ही वर्तमान में नेपाल के लगभग 32,000 गोरखा सैनिक भारतीय सेना में सेवा दे रहे हैं।
- **आर्थिक सहयोग:**
    - **भारत, नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार** है। नेपाल, भारत का 11वाँ सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य भी है।
        - वर्ष 2022-23 में भारत ने **नेपाल को 8 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वस्तुओं का निर्यात किया, जबकि भारत का आयात 840 मिलियन अमेरिकी डॉलर** का था।

- भारतीय कंपनियाँ नेपाल में सबसे बड़े निवेशकों में से हैं, जो कुल स्वीकृत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश **के 30% से अधिक की हिस्सेदारी रखती हैं।**
- **सांस्कृतिक सहयोग:**
  - हिंदू और **बौद्ध धर्म** के संदर्भ में भारत एवं नेपाल समान संबंध साझा करते हैं। **साथ ही बुद्ध का जन्मस्थान लुंबिनी आधुनिक नेपाल में है।**
  - भारतीय संस्कृति के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु अगस्त 2007 में काठमांडू में **स्वामी विवेकानंद केंद्र** की स्थापना की गई थी।
  - **नेपाल-भारत पुस्तकालय की स्थापना वर्ष 1951 में काठमांडू में हुई थी। इसे नेपाल का पहला विदेशी पुस्तकालय** माना जाता है।
- **मानवीय सहायता:**
  - भारत ने वर्ष **2015 के भूकंप** के बाद सहायता और पुनर्वास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत **नेपाल को 1.54 बिलियन नेपाली रुपए (लगभग 96 करोड़ रुपए) की सहायता प्रदान की।**

भारत-नेपाल संबंधों से संबंधित हाल के प्रमुख मुद्दे:

- **सीमा विवाद:** सीमा विवाद उन विवादास्पद मुद्दों में से एक है जिसने हाल के वर्षों में भारत-नेपाल संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया है। विवाद में मुख्य रूप से दो खंड शामिल हैं:
  - पश्चिमी नेपाल में **कालापानी-लिपियाधुरा-लिपुलेख ट्राइजंक्शन क्षेत्र और दक्षिणी नेपाल में सुस्ता क्षेत्र।**
    - दोनों देश अलग-अलग ऐतिहासिक नक्शों और संधियों के आधार पर इन क्षेत्रों पर अपना दावा करते हैं।
  - विवाद **वर्ष 2020 में तब शुरू हुआ जब भारत ने उत्तराखंड में धारचूला को चीन सीमा के पास स्थित लिपुलेख दर्रे से जोड़ने वाली एक सड़क का उद्घाटन किया,** जिस पर नेपाल ने अपनी संप्रभुता के उल्लंघन के रूप में आपत्ति जताई।
  - नेपाल ने तभी एक नया राजनीतिक मानचित्र जारी किया जिसमें **कालापानी-लिपियाधुरा- लिपुलेख को अपने क्षेत्र के हिस्से के रूप में प्रदर्शित किया। भारत ने इस मानचित्र को नेपाली दावों का "कृत्रिम विस्तार" बताकर खारिज कर दिया।**
- **चीन का बढ़ता प्रभाव:**
  - **नेपाल में चीन के प्रभाव** में वृद्धि ने क्षेत्र में अपने सामरिक हितों के संदर्भ में भारत की चिंता बढ़ा दी है। चीन ने अपने **बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI)** के तहत रेलवे, राजमार्ग, जलविद्युत संयंत्र आदि जैसी परियोजनाओं के माध्यम से नेपाल के साथ अपने आर्थिक संबंध को बढ़ाया है।
    - नेपाल और चीन के बीच बढ़ता सहयोग, भारत तथा चीन के मध्य बफर राज्य के रूप में **नेपाल के महत्त्व को कम कर सकता है।**

आगे की राह

- **डिजिटल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करना:** डिजिटल कनेक्टिविटी पहल पर बल देने से नेपाल के साथ जुड़ने का एक नया तरीका मिल सकता है।
  - भारत, नेपाल के डिजिटल बुनियादी ढाँचे के विकास का समर्थन कर **ई-गवर्नेंस पहल और सीमा पार डिजिटल सहयोग को बढ़ावा** दे सकता है। इससे कनेक्टिविटी बढ़ सकती है जिससे **आर्थिक अवसर सृजित होंगे और द्विपक्षीय संबंध सुदृढ़ हो सकते हैं।**
- **सामरिक भागीदारी:** भारत को सक्रिय रूप से क्षेत्रीय और वैश्विक मंचों पर नेपाल के साथ रणनीतिक साझेदारी की तलाश करनी चाहिये। अपने हितों को संरेखित करके और संयुक्त रूप से **जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन तथा क्षेत्रीय सुरक्षा** जैसी चुनौतियों का समाधान कर दोनों देश साझा मूल्यों एवं हितों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर सकते हैं।
  - यह न केवल **चीन के प्रभाव का प्रतिकार करेगा बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता को भी सुदृढ़ करेगा** । साथ ही भारत की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने हेतु **संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों, फिल्म समारोहों तथा वेलनेस रिट्रीट का आयोजन** जनमत को प्रभावित कर सकता है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये: (2016)

कभी-कभी समाचारों में उल्लिखित समुदाय	**किसके मामले में**
1. कुर्द	बांग्लादेश
2. मधेसी	नेपाल
3. रोहिंग्या	म्याँमार

उपर्युक्त में से कौन-सा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 3

उत्तर: (c)

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/strengthening-india-nepal-cooperation